भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2126
07/08/2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

महाराष्ट्र में लू के कारण हुई मौतें और निवारण उपाय

2126 डा. फौजिया खान:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पिछले पांच वर्षों में महाराष्ट्र राज्य, विशेष रूप से मराठवाड़ा और विदर्भ क्षेत्रों, में लू (हीट वेव) के कारण हुई मौतों की संख्या के संबंध में कोई डेटा उपलब्ध है, इस संबंध मे जिला -वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या लू (हीट वेव) के कारण मरने वालों परिवारों को मुआवजा प्रदान किया गया है, और यदि हाँ, तो कुल कितनी राशि वितरित की गई है और लाभार्थियों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) नवीनतम हीटवेव एक्शन प्लान के अंतर्गत पहचान किए गए विदर्भ और मराठवाड़ा पर विशेष ध्यान देते हुए हीटवेव-प्रवण जिलों में हीटवेव के प्रभाव को कम करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी), गृह मंत्रालय (एमएचए) से 2018-2022 के दौरान महाराष्ट्र में हीट/सन स्ट्रोक के कारण हुई मौतों के संबंध में उपलब्ध नवीनतम डेटा अनुलग्नक-1 में दिया गया है।

(ख) राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के पास सहायता हेतु राज्य आपदा प्रतिक्रिया निधि (एसडीआरएफ) और राज्य आपदा शमन निधि (एसडीएमएफ) के माध्यम से संसाधन उपलब्ध हैं। यदि राज्यों की ओर से वित्तीय सहायाता का अनुरोध होता है, तो केंद्र सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया निधि (एनडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा शमन निधि (एनडीएमएफ) के लिए प्रासंगिक दिशानिर्देश अनुसार उस पर विचार करती है।

(ग) भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने निगरानी और पूर्व चेतावनी प्रणालियों को बेहतर बनाने के लिए देश भर के विभिन्न अनसंधान केंद्रों के साथ मिलकर पहल की हैं। इन प्रयासों ने मौसम की चरम घटनाओं, जैसे कि लू, के दौरान जानमाल का नुकसान को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इनमें शामिल हैं:

- मौसमी और मासिक आउटलुक जारी करना, उसके बाद तापमान और लू का व्यापक पूर्वानुमान जारी करना।जनता तक समय पर सूचना पहुंचाने के लिए प्रारंभिक चेतावनी और पूर्वानुमान जानकारी विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर भी प्रसारित की जाती है।
- भारत में जिलावार हीटवेव सुभेद्यता एटलस, राज्य सरकार के अधिकारियों और आपदा प्रबंधन एजेंसियों की योजना बनाने में मदद करेगा

- भारत के गर्म मौसम के खतरे के विश्लेषण मानचित्र में तापमान, हवा पैटर्न और आर्द्रता स्तर पर दैनिक डेटा शामिल है।
- गर्मी का मौसम शुरू होने से पहले राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय हीटवेव तैयारी बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित की जाती है, तथा मौसम के दौरान नियमित समीक्षा बैठकें समय-समय पर आयोजित की जाती हैं।

मौसम संबंधी जानकारी सभी हितधारकों, जिसमें केंद्र सरकार के मंत्रालय, राज्य सरकार और स्थानीय निकाय हैं, को प्रदान की जाती है। इसके अलावा, विदर्भ और मराठवाड़ा के सभी जिला सहित 23 राज्य में हीट एक्शन प्लान (एचएपी) लागू किया गया है, जो विशेष रूप से हीटवेव के प्रति संवेदनशील हैं। ये योजनाएँ संबंधित राज्य सरकारों के साथ मिलकर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) द्वारा की गई संयुक्त पहल है। चेतावनियों और समय पर अलर्ट प्रसारित करने के लिए भी आईएमडी एनडीएमए द्वारा विकसित कॉमन अलर्ट प्रोटोकॉल (सीएपी) लागू कर रहा है।

आईएमडी ने तेरह सबसे भयानक मौसमी घटनाओं के लिए एक वेब-आधारित ऑनलाइन "क्लाइमेट हैजर्ड एंड वल्नेरेबिलिटी एटलस ऑफ इंडिया" भी तैयार किया है, जिनसे व्यापक क्षति और आर्थिक, मानवीय और पशु हानि होती है। इसे https://imdpune.gov.in/hazardatlas/abouthazard.html पर देखा जा सकता है। इस एटलस से राज्य सरकार के अधिकारियों और आपदा प्रबंधन एजेंसियों को हॉटस्पॉट की पहचान करने और मौसम की चरम घटनाओं से निपटने, योजना बनाने और उचित कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। यह उत्पाद जलवायु परिवर्तन हेतु सुदृढ़ अवसंरचना के निर्माण में सहायक है। इसके अलावा, भारत मौसम विभाग मौसम संबंधी जानकारी जनता को विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से प्रदान करता है:

- जनसंचार माध्यम: रेडियो/टीवी, समाचार पत्र नेटवर्क (एएम, एफएम, सामुदायिक रेडियो, निजी टीवी), प्रसार भारती और निजी प्रसारणकर्ता
- साप्ताहिक और दैनिक मौसम वीडियो
- इंटरनेट (ईमेल), एफटीपी
- सार्वजनिक वेबसाइट (mausam.imd.gov.in)
- आईएमडी ऐप्स: मौसम/मेघदूत/दामिनी/वर्षा अलार्म
- सोशल मीडिया: फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, ब्लॉग

i. एक्स: https://twitter.com/Indiametdept
ii. फेसबुक: https://www.facebook.com/India.Meteorological.Department/
iii. ब्लॉग: https://imdweather1875.wordpress.com/
iv. इंस्टाग्राम: https://www.instagram.com/mausam_nwfc
v. यूट्यूब: https://www.youtube.com/channel/UC_qxTReoq07UVARm87CuyQw

अनुलग्नक-1

2018-2022 के दौरान महाराष्ट्र में हीट/सन स्ट्रोक के कारण होने वाली मौतें:

क्र.सं.	**वर्ष**	**मौतों की संख्या**
1.	2018	128
2.	2019	159
3.	2020	56
4.	2021	37
5.	2022	90

स्रोत: राज्य द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत में आकस्मिक मृत्यु एवं आत्महत्या, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी), गृह मंत्रालय (एमएचए) ।

****